आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 24.03.2026 समय : 1905

<><><><><><><><>

- श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद के नए प्रतीक चिन्ह का उपराज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने किया अनावरण।
- विश्व क्षयरोग दिवस पर टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के सभागर में टी बी मुक्त भारत अभियान के तहत सौ दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ।
- कार निकोबार के मुस गांव में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण और पोषण जागरूकता की सही विधियों का प्रशिक्षण दिया गया।
- भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय में आरक्षित सात सीटों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का डीब्रेट में मई में आयोजन किया जाएगा।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल और द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष, एडमिरल डी.के. जोशी ने श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद के नए प्रतीक चिह्न का अनावरण किया। इस कार्यक्रम में प्रशासन के मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार, नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष शाहुल हमीद, आयुक्त–सह–सचिव डॉ. सचिन शिंदे, सचिव (शहरी विकास) पूर्वा गर्ग के साथ–साथ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और नगरपालिका परिषद के पार्षद उपस्थित थे। इस अवसर पर सचिव (शहरी विकास) ने अपने संबोधन में नए डिज़ाइन किए गए प्रतीक चिह्न का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। नगरपालिका सचिव ने उपराज्यपाल को प्रतीक चिह्न के विभिन्न तत्वों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। यह प्रतीक चिह्न श्री विजया पुरम की स्वच्छता, निरंतरता, हरियाली और स्वस्थ जीवन शैली के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

<><><><><><><><>

टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के सभागार में टी बी मुक्त भारत अभियान के तहत सौ–दिवसीय राज्य स्तरीय अभियान का शुभारंभ और विश्व टी बी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयुक्त–सह–सचिव (स्वास्थ्य) डॉ. सचिन शिंदे मुख्य अतिथि के रूप में, उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सचिव, वंदना राव और अनिम्स के निदेशक, आर एम आर सी के प्रतिनिधि और डॉक्टरों ने भी भाग लिया।

मुख्य अतिथि ने अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया और टीबी निदान व उपचार में हुए महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रगति को रेखांकित करते हुए टी बी उन्मूलन की दिशा में निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने निक्षय मित्रों के योगदान की सराहना की और समुदाय की भागीदारी व पूरे सरकारी सहयोग की अहमियत बताई। राज्य टी बी अधिकारी डॉ. पी. लाल ने टी बी की स्थिति, वैज्ञानिक प्रगति और आगामी सौ दिनों की रणनीतियों जैसे संवेदनशील वर्गों का सक्रिय स्क्रीनिंग, कृत्रिम बुद्धिमता–सक्षम एक्स–रे, हेल्थ कैंप और निक्षय मित्रों की सक्रिय भागीदारी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पुलिस एंटरटेनमेंट टीम द्वारा टी बी जागरूकता पर नाटक प्रस्तुत किया गया, वार्षिक टी बी रिपोर्ट जारी की गई और निक्षय मित्रों का सम्मान व प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरित किए गए।

<><><><><><><>

विश्व टी बी दिवस के अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बिल्लीग्राउन्ड में ट्यूबरकुलोसिस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए बाइक रैली और विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। पुलिस स्टेशन बिल्लीग्राउंड के सहयोग से आयोजित इस रैली में 30 से अधिक बाइक शामिल हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ थाना प्रभारी पी सी माणिक्कम द्वारा किया गया। रैली प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से शुरू होकर निम्बुडेरा बाजार होते हुए वापस पी एच सी पहुंची। इस रैली में हरिनगर पंचायत प्रधान मनोजित हल्दार, पंचायत समिति सदस्य दिलीप कुमार दास और पटवारी सुरेश पांडेय ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मयाबंदर प्रमुख पंचायत समिति स्मृति शिबानी मजूमदार ने किया। इस अवसर पर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलजा, और GDMO डॉ. केसवन मुरुगेसन ने टीबी के प्रारंभिक पहचान, सही उपचार और समुदाय जागरूकता के महत्व को रेखांकित किया। राष्ट्रीय टी बी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत निशुल्क उपचार, लक्षण और रोकथाम की जानकारी साझा की गई।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत CD ब्लॉक कार निकोबार द्वारा, बी जी आर अस्पताल के सहयोग से कल मुस गांव स्थित सामुदायिक सभागार में स्वास्थ्य जांच और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय समुदाय के बीच निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना और स्वच्छता संबंधी आदतों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में विभागों के अधिकारियों और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इनमें चिकित्सा अधिकारी, समूह समन्वयक, सामुदायिक संसाधन व्यक्ति, कार्यात्मक पोषण कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और मुस गांव के निवासी शामिल थे। यह कार्यक्रम, ''खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता'' के तहत चल रहे एक स्वास्थ्य अभियान का हिस्सा है। यह अभियान 27 मार्च तक कार निकोबार ब्लॉक के विभिन्न गांवों में जारी रहेगा।

<><><><><><><>

मिडिल प्वाइंट स्थित उद्योग परिसर में कार्यरत खादी ग्रामोद्योग भवन स्टॉक सत्यापन के कार्य के चलते 27 से 31 मार्च तक आम नागरिकों के लिए बंद रहेगा।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रशासन द्वारा भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, चेन्नई में स्नातक पाठ्यक्रमों में स्थानीय अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित 7 सीटों पर प्रवेश के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा 6 मई को सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित होगी। आवेदक का द्वीप समूह में कम से कम पांच वर्ष का निवास होना अनिवार्य है। आवेदन प्रपत्र 1 अप्रैल से 20 अप्रैल तक डीब्रेट के समुद्री विभाग में उपलब्ध रहेंगे। अभ्यर्थियों की आयु 17 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र 20 अप्रैल शाम तीन बजे तक जमा किए जा सकते है। प्रवेश पत्र 22 से 27 अप्रैल तक शाम चार बजे जारी किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी कार्य दिवसों में संस्थान के समुद्री अनुभाग से संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><>

प्रशासन के पर्यावरण एवं वन विभाग के अंतर्गत मध्योत्तर अंडमान जिले में 'मजदूर' (ग्रुप 'सी') के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह भर्ती प्रभागीय वन अधिकारी कार्यालय, मध्य अंडमान द्वारा जारी अधिसूचना के माध्यम से की जा रही है। इसके अंतर्गत कुल एक सौ छियानबे पदों को भरा जाएगा। इनमें विभिन्न वन प्रभागों—बराटांग, डिगलीपुर, मायाबंदर तथा मध्य अंडमान—में रिक्तियां शामिल हैं। रिक्तियों की संख्या अस्थायी है और नियुक्ति के समय इसमें परिवर्तन हो सकता है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 6 मई है। शारीरिक परीक्षण की तिथियां बाद में घोषित की जाएंगी।

अभ्यर्थियों को आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही ई–भर्ती पोर्टल, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के माध्यम से करना होगा। पदों से संबंधित विस्तृत जानकारी, शैक्षणिक योग्यता, पात्रता मानदंड एवं अन्य निर्देश विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

<><><><><><><>

पर्यावरण और वन विभाग द्वारा वनपाल के पद के लिए लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। उम्मीदवार विभाग की वेबसाइट और प्रशासन के वेब पोर्टल पर विषयवार अंक देख सकते हैं। किसी भी प्रश्न या समस्या के लिए वन संरक्षक मुख्यालय, वन सदन से संपर्क करने को कहा गया है।

<><><><><><><>

कैम्पबेल बे के निवासी और भारतीय नौसेना के नाविक के. आरमुगम ने ऐतिहासिक समुद्री अभियान में सफलतापूर्वक भाग लिया। आरमुगम भारतीय दल के 18 सदस्यों में से एक थे, जिन्होंने पिछले साल 29 दिसंबर को गुजरात के पोरबंदर से ओमान के मस्कट तक समुद्री यात्रा आरंभ की। यह यात्रा 14 जनवरी को ओमान पहुंची और अपने दल के साथ 2 मार्च को भारत लौटी। इस अवसर पर स्थानीय नाविकों और राज्य ओलंपिक संघ के प्रतिनिधियों ने पूरे दल को बधाई दी और विशेष रूप से के. आरमुगम के साहसिक और प्रेरक योगदान की सराहना की।

<><><><><><><>